RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

संसाधन एवं विकास

Resources and Development

अध्याय-1 | भाग-5

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. भारत में भू-उपयोग प्रारूप
2. राष्ट्रीय वन नीति (1952)
3. भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय
4. भारत - मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



"वर्तमान परती भूमि" किसे कहते है ?

अ भूमि जहाँ 4 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो

ब भूमि जहाँ 3 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो

स भूमि जहाँ 2 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो

द भूमि जहाँ 1 वर्ष या उससे कम समय से खेती न की गई हो

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



"कृषि योग्य बंजर भूमि" किसे कहते है ?

अ भूमि जहाँ 5 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो ।

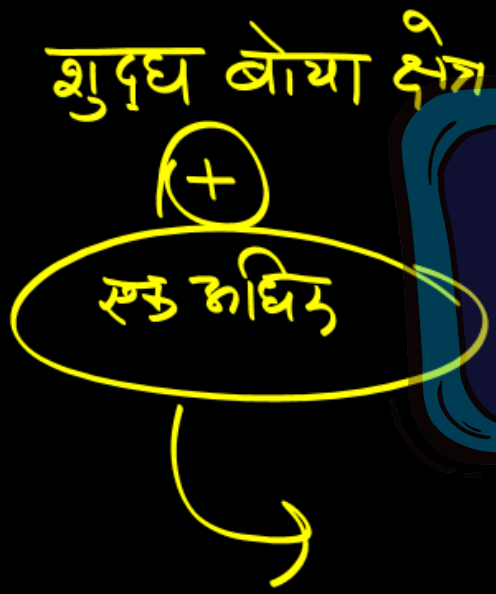
ब भूमि जहाँ 10 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो ।

स भूमि जहाँ 15 से अधिक वर्षों से खेती न की गई हो ।

द उपरोक्त में से कोई नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



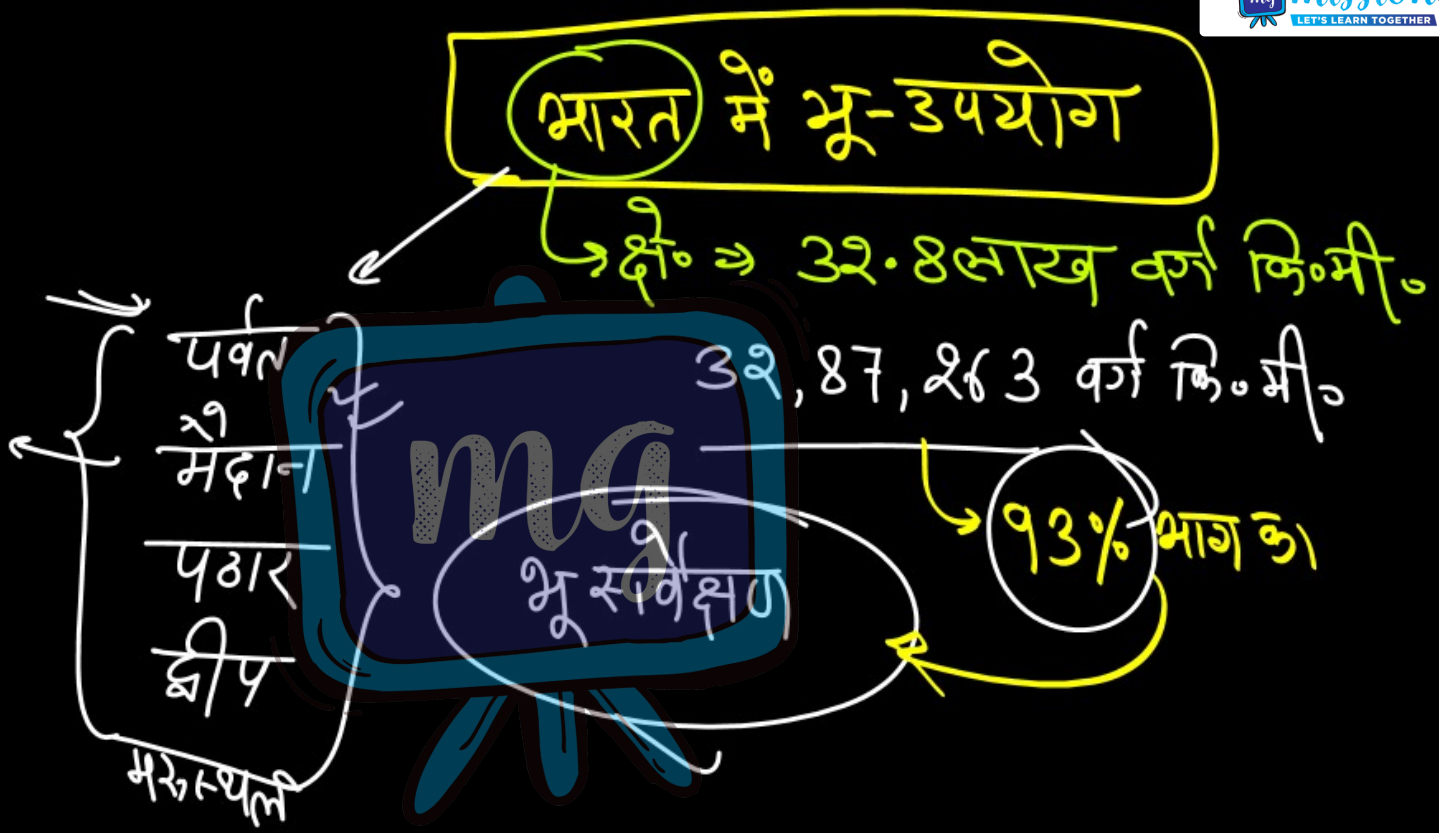
एक वर्ष में एक बार से अधिक बोए गए क्षेत्र को, शुद्ध बोए गए क्षेत्र में जोड़ दिया जाए, तो वह कहलाता है—

अ सम्पूर्ण फसल क्षेत्र

ब सकल कृषित क्षेत्र

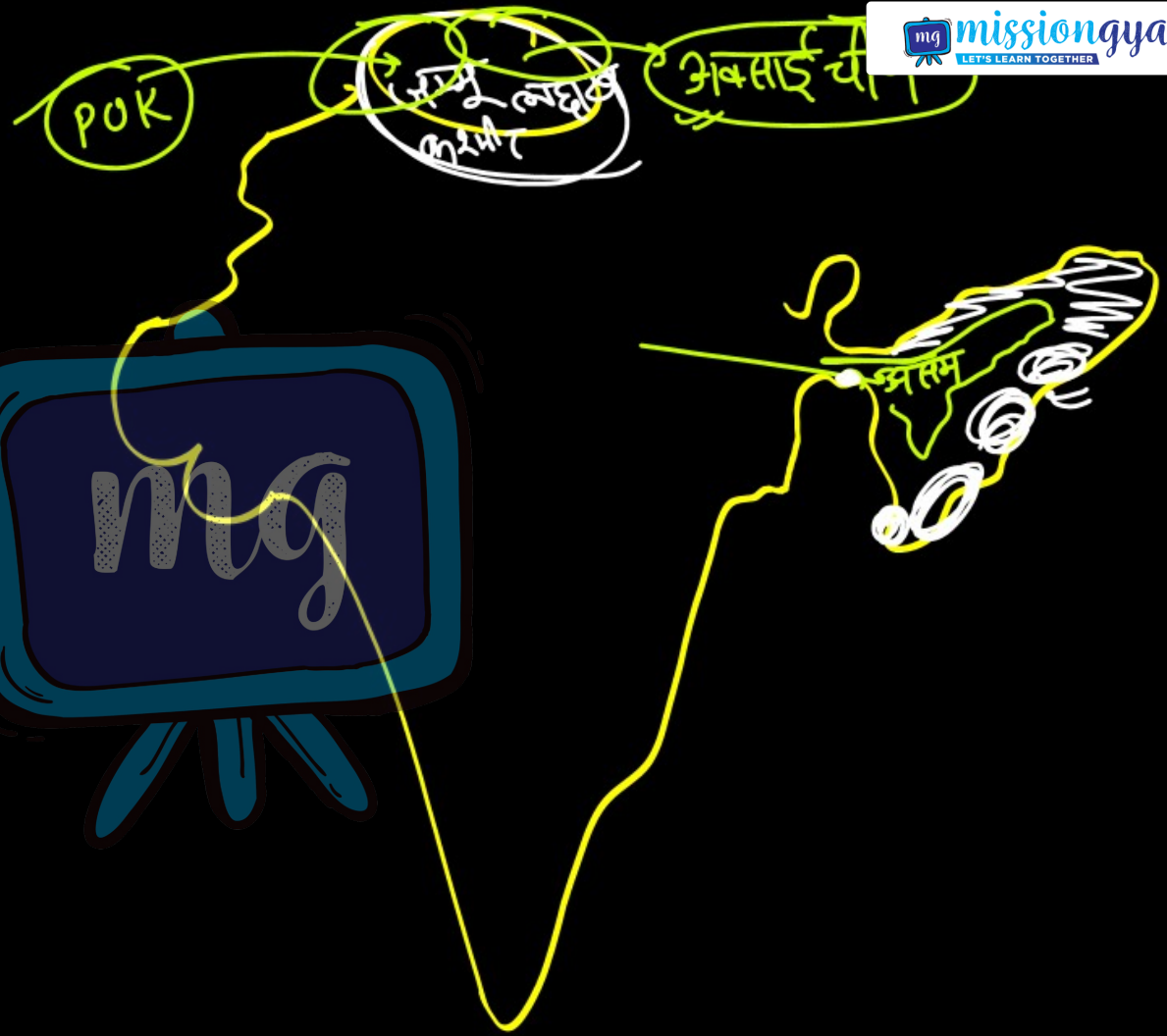
स (निवल) बोया गया क्षेत्र

द उपरोक्त में से कोई नहीं


भारत में भू-उपयोग
क्षे० ⇒ 32·8 लाख वर्ग कि०मी०
32,87,263 वर्ग कि०मी०
93% भाग का
पर्वत
मैदान
पठार
द्वीप
मरुस्थल
भू सर्वेक्षण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में भू-उपयोग प्रारूप

भू-उपयोग को निर्धारित करने वाले कारक —

- भौतिक कारक (भू-आकृति, जलवायु, मृदा का प्रकार)
- मानवीय कारक (जनसंख्या घनत्व, प्रौद्योगिक क्षमता, संस्कृति)
- भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल = 32.8 लाख वर्ग किमी.

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- परंतु इसके 93% भाग के ही भू-उपयोग आँकड़े उपलब्ध हैं
  - क्योंकि पूर्वोत्तर प्रांतों में असम को छोड़कर अन्य प्रांतों के सूचित क्षेत्र के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है।
  - इसके अलावा जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान और चीन अधिकृत क्षेत्रों के भूमि उपयोग का सर्वेक्षण भी नहीं हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

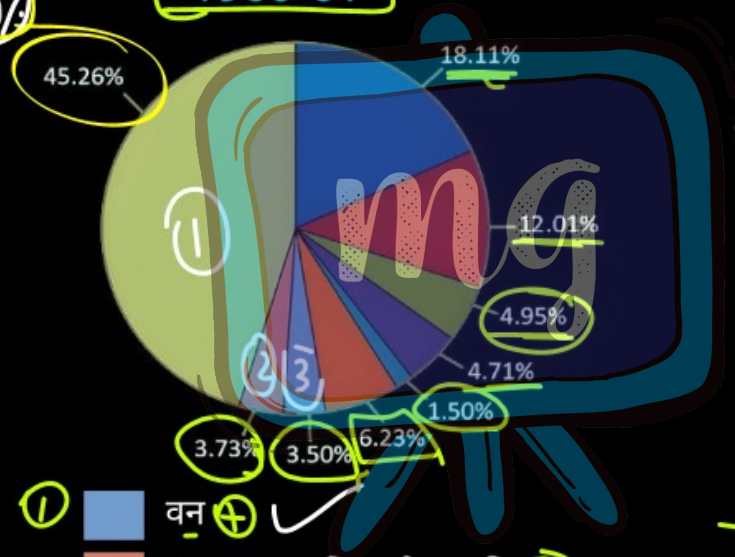
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

45.64% निवल
5.49% वर्तमान परती
3.67% पुरातन
53.80%

सड़क, रेलवे, उद्योग, अधिवास

सामान्य भू-उपयोग

प्रतिवेदित क्षेत्र 100 प्रतिशत



- वन (+)
- बंजर तथा कृषि अयोग्य भूमि (−)
- गैर-कृषि प्रयोजनों के अंतर्गत क्षेत्र (+)
- स्थायी चारागाहें तथा अन्य गोचर भूमि (−)
- विविध वृक्षों, वृक्ष फसलों तथा उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र (−)
- कृषि योग्य बंजर भूमि (−)
- परती भूमि के अतिरिक्त अन्य पुरातन परती (+)
- वर्तमान परती (+)
- शुद्ध (निवल) बोया गया क्षेत्र (+)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

निवल बोया क्षेत्र।
वर्तमान परती भूमि
पुरातन " "

- भारत के कुल सूचित क्षेत्र के लगभग 54% हिस्से पर ही खेती हो सकती है। 53.80%
- पंजाब और हरियाणा में 80% भूमि पर खेती होती है, परंतु अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 10% से भी कम क्षेत्र बोया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय वन नीति (1952)

- राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित वनों के अंतर्गत 33% भौगोलिक क्षेत्र वांछित हैं। (जिसकी तुलना में वन के अंतर्गत क्षेत्र काफी कम है)
- वन नीति द्वारा निर्धारित यह सीमा पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
- वन क्षेत्रों के आस पास रहने वाले लाखों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर करती है।

33%

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भू-उपयोग का एक भाग बंजर भूमि और दूसरा गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई गई भूमि
  - बंजर भूमि में पहाड़ी चट्टानें, सूखी भूमि, मरुस्थलीय भूमि आदि आते हैं।
  - गैर-कृषि प्रयोजनों में लगाई भूमि में बस्तियाँ, सड़कें, रेल लाइन, उद्योग आदि आते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लगातार भू-उपयोग एवं लंबे समय तक भूमि संरक्षण-प्रबंधन की अवहेलना करने के कारण भू-संसाधनों का निम्नीकरण हो रहा है।
- इसके कारण समाज और पर्यावरण पर गंभीर आपदा आ सकती है।

कारण
- अपरदन
- प्रदूषण
  - (दूषित जल)
  - औद्योगिक अवशिष्ट
- वन-विनाश
- अति सिंचाई (जल आक्रांता)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

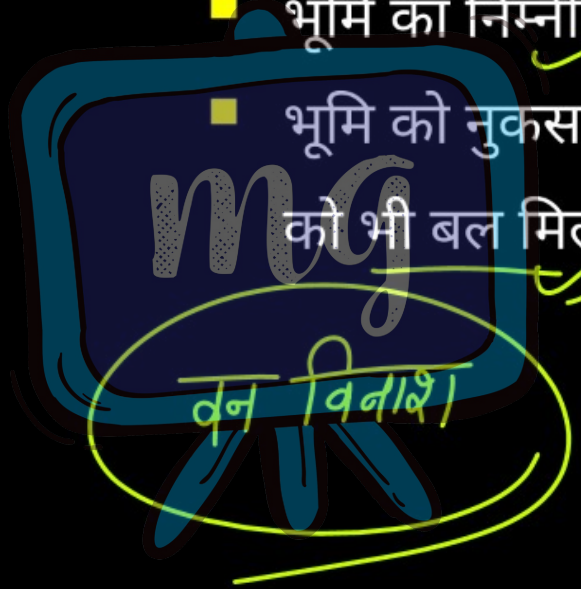
भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय

- भूमि एक ऐसा संसाधन है जिसका उपयोग हमारे पूर्वज करते आए हैं तथा भावी पीढ़ी भी इसी भूमि का उपयोग करेगी।
- हम भोजन, मकान और कपड़े की अपनी मूल आवश्यकताओं का 95 प्रतिशत भाग भूमि से प्राप्त करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

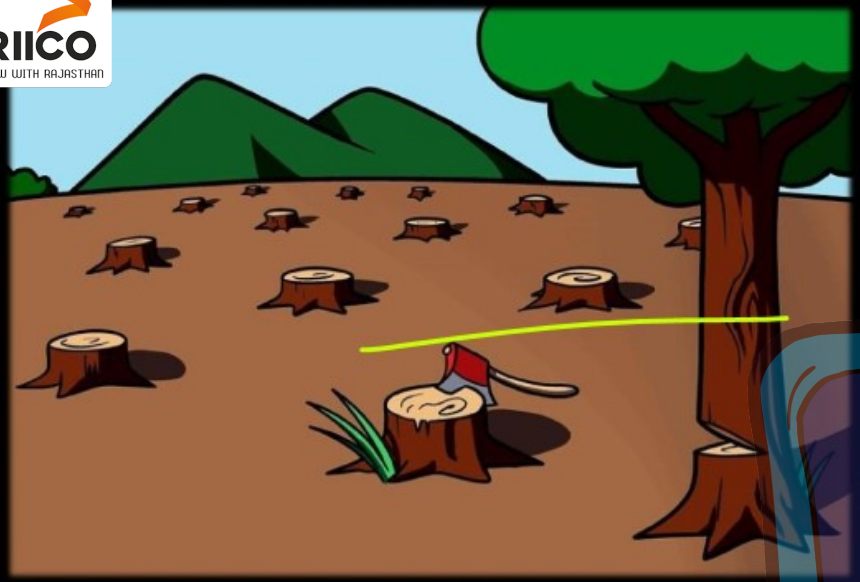
- लेकिन, मानव कार्यकलापों के कारण—
  - भूमि का निम्नीकरण।
  - भूमि को नुकसान पहुँचाने वाली प्राकृतिक ताकतों को भी बल मिला।





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





- कुछ मानव क्रियाओं जैसे वनोन्मूलन, अति पशुचारण, खनन ने भी भूमि के निम्नीकरण में मुख्य भूमिका निभाई है।
- खनन के उपरांत खदानों वाले स्थानों को गहरी खाइयों और मलबे के साथ खुला छोड़ दिया जाता है।
- झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और उड़ीसा जैसे राज्यों में खनन के कारण वनोन्मूलन, भूमि निम्नीकरण का कारण बना है।

भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण

अति पशुचारण : गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र

अधिक सिंचाई : पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर-प्रदेश

(अधिक सिंचाई से → जल भराव → मृदा में लवणीयता और क्षारीयता का बढ़ना)

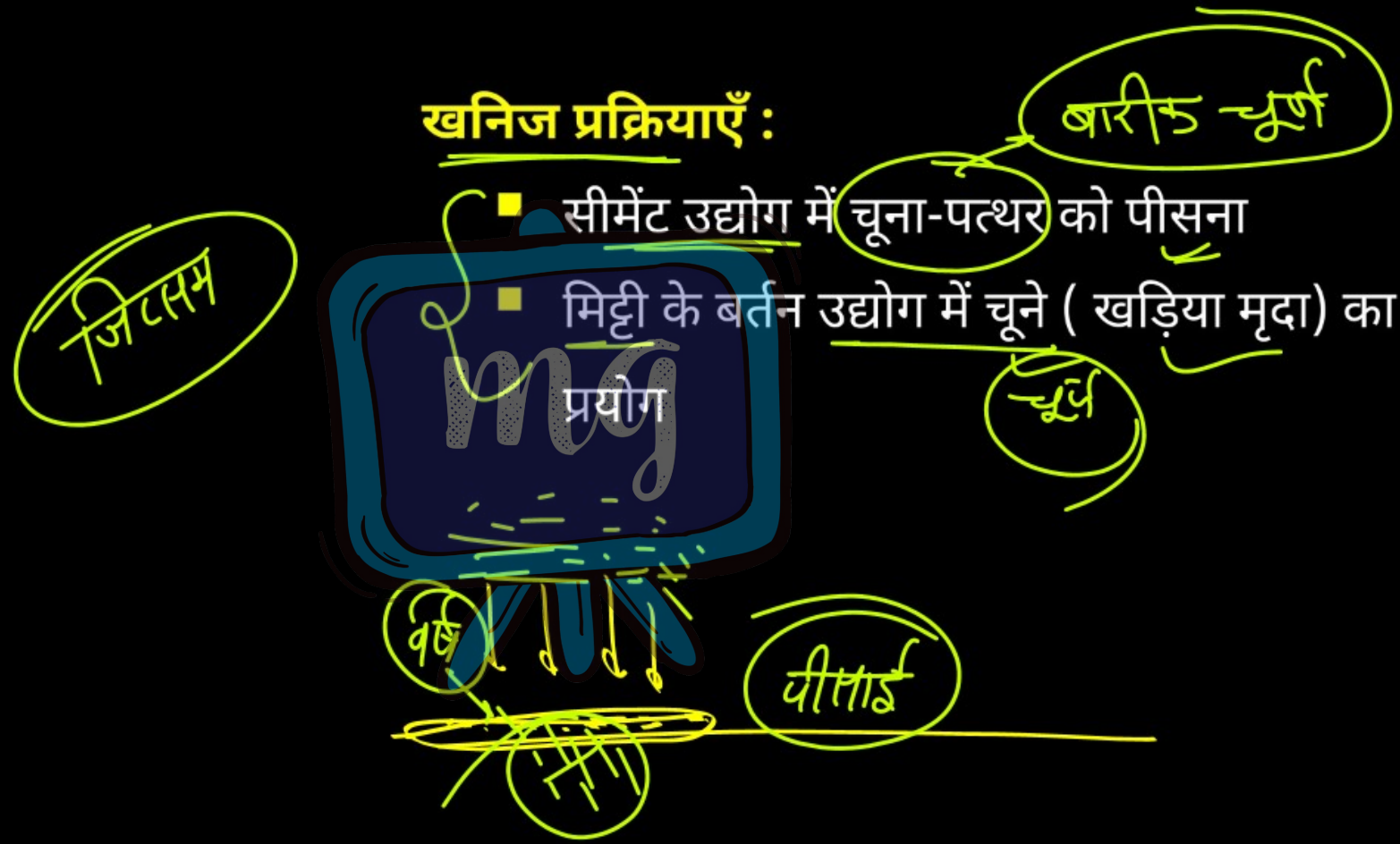
→ जल आक्रांता / सैम समस्या

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

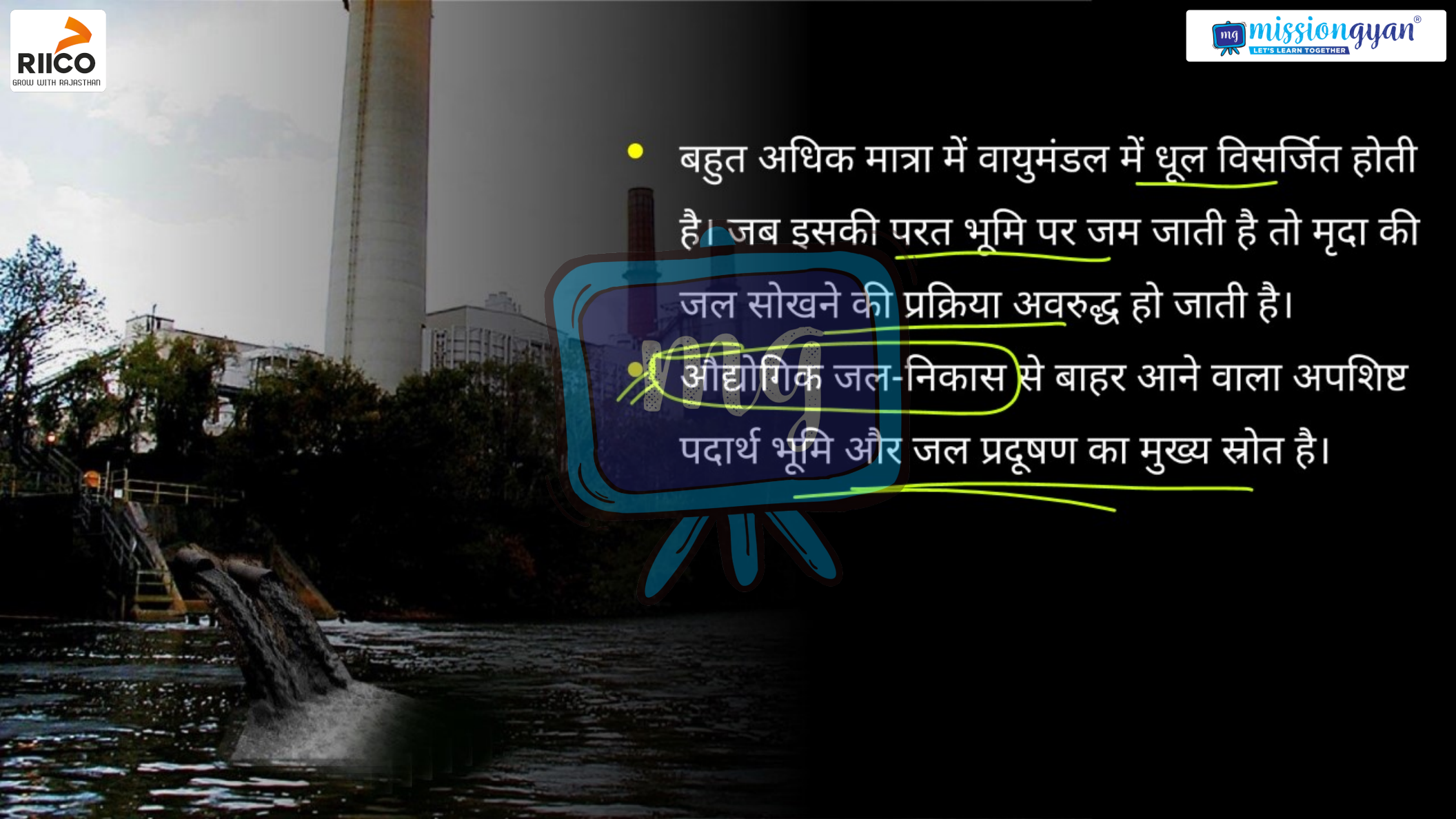
खनिज प्रक्रियाएँ :

- सीमेंट उद्योग में चूना-पत्थर को पीसना
- मिट्टी के बर्तन उद्योग में चूने (खड़िया मृदा) का प्रयोग



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



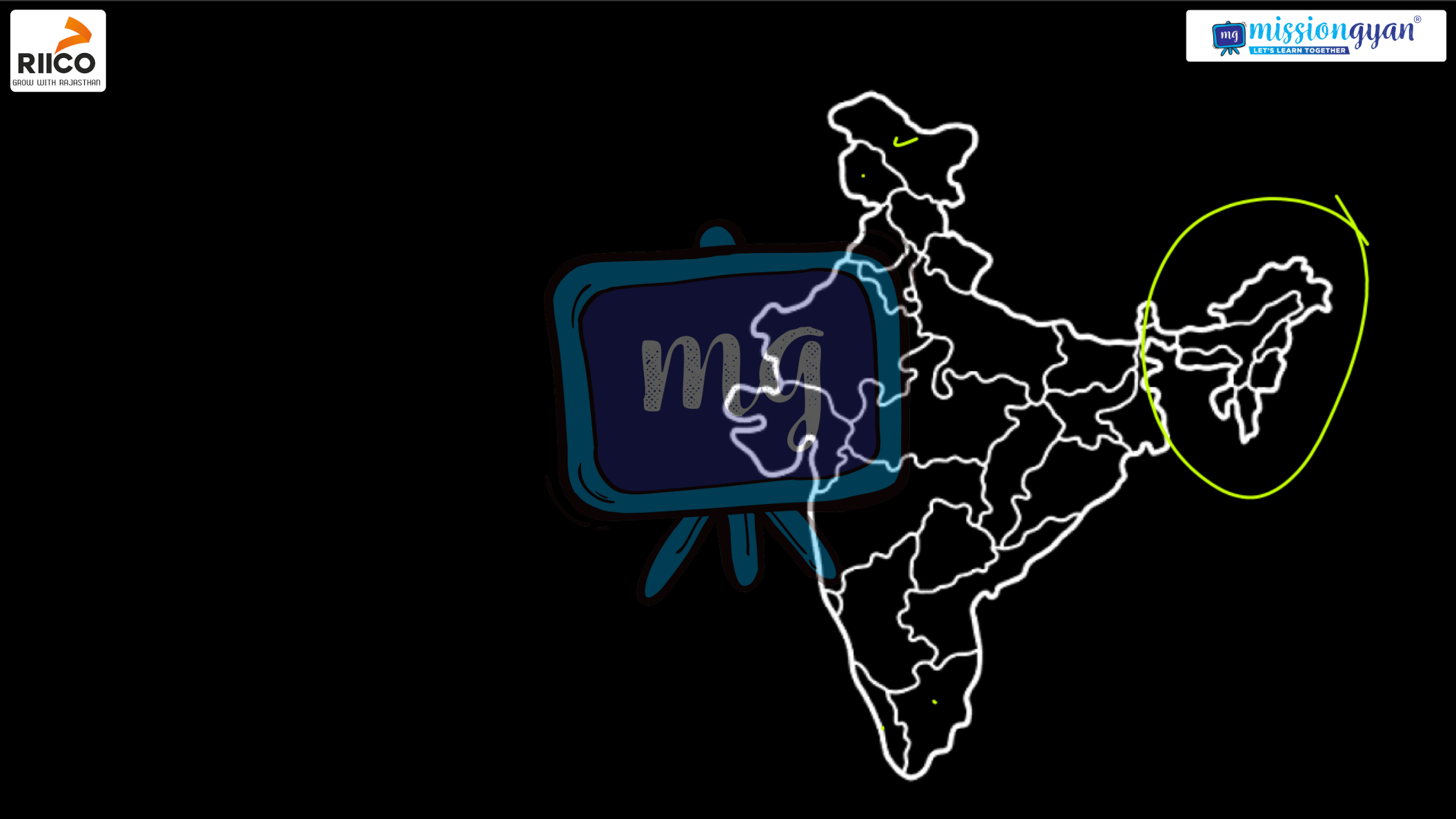
- बहुत अधिक मात्रा में वायुमंडल में धूल विसर्जित होती है। जब इसकी परत भूमि पर जम जाती है तो मृदा की जल सोखने की प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाती है।
- औद्योगिक जल-निकास से बाहर आने वाला अपशिष्ट पदार्थ भूमि और जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि निम्नीकरण की समस्या को सुलझाने के तरीके

- वनारोपण
- शुष्क क्षेत्रों में भूमि कटाव की रोकथाम —
  - पेड़ों की रक्षक मेखला (shelter belt)
  - पशुचारण नियंत्रण
  - काँटेदार झाड़ियाँ लगाकर रेतीले टीलों को स्थिर
- बंजर भूमि के उचित प्रबंधन
- खनन नियंत्रण
- औद्योगिक जल का परिष्करण के पश्चात् निष्कासन


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
mg